जांच करवाइए, क्योंकि यहां यह चीज़ बहुत गंभीर है। £सर, यह सरकार की जिम्मेवारी है कि वह सीबीआई से जांच करवाए। ...(**समय की घंटी**)... ...(**व्यवधान**)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the matter raised by the hon. Member, Shri Shaktisinh Gohil: Shri A. A. Rahim (Kerala), Dr. John Brittas (Kerala), Shrimati Jebi Mather Hisham (Kerala), Shri Haris Beeran (Kerala), Dr. Sasmit Patra (Odisha), Shri Niranjan Bishi (Odisha), Shrimati Mahua Maji (Jharkhand), Shri Sanjeev Arora (Punjab), Shri M. Mohamed Abdulla (Tamil Nadu), Dr. Kanimozhi NVN Somu (Tamil Nadu), Shri R. Girirajan (Tamil Nadu), Dr. Fauzia Khan (Maharashtra), Shrimati Phulo Devi Netam (Chhattisgarh), Shri Anil Kumar Yadav Mandadi (Telangana) and Shri Ashok Singh (Madhya Pradesh).

श्री उपसभापति : डा. अजित माधवराव गोपछड़े - Concern over use of online gambling and betting in providing financial support to terrorism.

Concern over use of online gambling and betting in providing financial support to terrorism

डा. अजित माधवराव गोपछड़े (महाराष्ट्र) : उपसभापति महोदय, अवैध इंटरनेट, जुए और सट्टेबाजी की आतंकवाद के वित्तीय समर्थन में भूमिका है, इस पर मैं अपने विचार रख रहा हूं। सर, यह गंभीर मुद्दा राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा हुआ है। राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय की सुरक्षा और वैज्ञानिकी तकनीकी अनुसंधान की एक रिपोर्ट में यह उल्लेख किया गया है कि अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी और जुआ कंपनियां मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकवाद के वित्त पोषण के लिए एक साधन के रूप में कार्य कर रही हैं। अवैध ऑनलाइन जुआ और सट्टेबाजी ऐप्स भारतीय डिजिटल उपयोगकर्ताओं को साइबर सुरक्षा हमलों और असुरक्षित ऑनलाइन वातावरण जैसे कई खतरों का सामना करने के लिए मजबूर कर रहे हैं। यह भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एक गंभीर खतरा बन गए हैं, क्योंकि अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी और जुए की वेबसाइटें मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकवाद के वित्त पोषण का माध्यम बन रही हैं, जैसा कि सुरक्षा और वैज्ञानिक तकनीकी अनुसंधान संघ (एसएएसटीआरए) ने बताया है। वर्तमान कानूनी और नियामक ढांचा वैध और अवैध गतिविधियों के बीच अंतर स्पष्ट नहीं करता, जिसके कारण अवैध प्लेटफार्म्स को अकसर मनी लान्ड्रिंग जैसी अन्य अवैध गतिविधियों को बढ़ावा देने का अवसर मिलता है। भारत में ऑनलाइन अवैध सट्टेबाजी और जुआ वेबसाइटों के लिए सरोगेट विज्ञापन एक प्रमुख प्रवृत्ति बन चुका है। जुए और सट्टेबाजी सेवाओं के विज्ञापन पर कानूनी प्रतिबंध के चलते ऑपरेटर वैकल्पिक

£ Expunged as ordered by the Chair.

तरीकों का उपयोग कर रहे हैं। भारत सरकार को इन सभी राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर गंभीरता से ठोस कार्रवाई करने की आवश्यकता है।

माननीय उपसभापति महोदय, यह बहुत विषय गंभीर है। ये जो ऑनलाइन सट्टे और जुए चल रहे हैं, इनकी वजह से बहुत जगहों पर हमारी आने वाली पीढ़ी के लोग इसके शिकार बन रहे हैं। इसके माध्यम से बहुत सारा पैसा आतंकवाद और एंटी नेशनल एलिमेंट्स को जा रहा है। मैं आपसे विनती करता हूं कि यह मुद्दा राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है और इसके ऊपर गंभीरता से तुरंत एक ठोस कार्यवाही करने की आवश्यकता है। महोदय, गाँव-गाँव में मोबाइल के माध्यम से और अलग-अलग तरीकों से 16-17 साल के बच्चों से लेकर 25 तक साल के लोग इसकी चपेट में आ रहे हैं। इसका बहुत ही गलत तरीके से उपयोग हो रहा है और यह हमारे देश की सुरक्षा के लिए एक खतरा बन गया है। ...(**समय की घंटी**)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the matter raised by the hon. Member, Shri Ajeet Madhavrao Gopchade: Shri R. Girirajan (Tamil Nadu), Shri Devendra Pratap Singh (Chhatisgarh), Shri Jose K. Mani (Kerala), Dr. Sasmit Patra (Odisha), Shrimati Mahua Maji (Jharkhand), Dr. Fauzia Khan (Maharashtra), Shri Dhananjay Bhimrao Mahadik (Maharashtra), Shri M. Mohamed Abdulla (Tamil Nadu), Shri Chunnilal Garasiya (Rajasthan), Dr. Bhim Singh (Bihar), Shri Madan Rathore (Rajasthan), and Shri Niranjan Bishi (Odisha).

श्री उपसभापति : माननीय राघव चड्ढा जी, आपका विषय है, Concern Over Prevailing Issue of Air Pollution in North India And Its Impact. श्री विक्रमजीत सिंह साहनी, श्री मानस रंजन मंगराज, श्रीमती रंजीत रंजन, श्रीमती रजनी अशोकराव पाटिल आपके विषय के साथ एसोसिएट कर रहे हैं। आप अपने विषय को सदन में रेज़ कीजिए।

Concern over prevailing issue of air pollution in North India and its impact

श्री राघव चड्ढा (पंजाब) : सर, आज उत्तर भारत ने एक धुएं की चादर ओढ़ी हुई है और हर सांस के साथ हम न जाने कितनी सिगरेट्स और बीड़ी का धुआँ अपने अंदर लेकर जा रहे हैं। सर, एयर पॉल्यूशन सिर्फ दिल्ली का मुद्दा नहीं है, बल्कि यह पूरे उत्तर भारत का मुद्दा है। सर, प्रदूषण सरहद नहीं समझता और आज दिल्ली से कहीं ज्यादा वायु प्रदूषण भागलपुर, मुजफ्फरनगर, विदिशा, नोएडा, हापुड़, भिवानी, भिवाड़ी, आगरा और फरीदाबाद जैसे इलाकों में है। क्योंकि एयर पॉल्यूशन का सारा दोष देश के किसान पर मढ़ा जाता है, इसलिए आज मैं उस किसान की आवाज उठाना चाहता हूं। सर, आईआईटी की एक स्टडी बताती है कि स्टबल बर्निंग वायु प्रदूषण का एक कारण है, इकलौता कारण नहीं है, लेकिन फिर भी सारा दोष किसान को दिया जाता है। हम पूरा साल तो यह कहते हैं कि किसान हमारा भगवान है, हमारा अन्नदाता है, लेकिन जैसे ही नवंबर का महीना आता है, हम कहते हैं कि किसान क्रिमिनल है, इसको जेल में डाल दिया जाए, इस पर फाइन लगाया जाए। इसीलिए मैं यह कहना चाहता हूं कि कोई भी किसान जान-बूझकर